Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 57, गुरुवार, 22 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

अब इस शख्स के अकाउंट में आए 9,99,99,999 रुपये, क्लिक कर जानें क्या है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के एक दुकानदार रविवार को अचानक अपने मोबाइल पर एसएमएस देखकर चौंक गए। दरअसल उनके अकाउंट में 9 करोड़ रुपए जमा हो गए थे। यह मामला है दिल्ली के जहांगीरपुरी का। रविवार को विनोद के मोबाइल में उनके बैंक से एसएमएस आया कि उनके अकाउंट में 9,99,99,999 जमा हो गए हैं। विनोद के आश्चर्य का ठिकाना न रहा। विनोद ने एटीएम से अपना मिनी स्टेटमेंट चैक किया तो उसमें भी इसकी पुष्टि हुई। रविवार को अवकाश होने के कारण वो बैंक नहीं जाएं लेकिन एटीएम से कोई ट्रांजेक्शन पर नहीं कर पा रहे थे।

सार्वजनिक संपत्ति विकृत की तो होगी जेल : हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को दिल्ली विविद्यालय के छात्रों को चेताया कि अगर उन्होंने विविद्यालय छात्र संघ (डूसू) के अगले चुनावों से पहले सार्वजनिक संपत्ति को विकृत करते मिले तो उन्हें जेल जाना पड़ सकता है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर की पीठ ने कहा कि वह सार्वजनिक संपत्ति को विकृत किये जाने को '' बर्दाश्त' नहीं कर सकती। पीठ ने टिप्पणी की, ''अगर आप (डूसू चुनाव 2017 लड़ने वाले उम्मीदवार) अगले डूसू चुनावों से पहले सार्वजनिक संपत्ति को विकृत करने में संलिप्त पाये गये तो हम आपको जेल भेजेंगे।'' पीठ ने कहा कि सार्वजनिक संपत्ति का विरूपण करना किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। आप सभी युवा हैं और आपको पता होना चाहिए कि अपने शहर को स्वच्छ कैसे रखा जाए। अगली बार आपको बख्शा नहीं जाएगा। पीठ ने2017 डूसू चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों सेकहा कि संपत्तियों के वर्तमान विरू पणों को हटाने के लिए तंत्र विकसित करें ।

वीके जैन का इस्तीफा मंजूर

नई दिल्ली। उप राज्यपाल अनिल बैजल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सलाहकार पद से वीके जैन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इस महीने की शुरुआत में जैन ने इस पद से इस्तीफा देते हुए निजी कारणों और पारिवारिक प्रतिबद्धता का हवाला दिया था। इसके कुछ ही दिन पहले शहर की पुलिस ने केजरीवाल के आवास पर मुख्य सचिव अंशु प्रकाश पर हुए कथित हमले के सिलसिले में उनसे पूछताछ की थी। सेवा विभाग के कल जारी एक आदेश में कहा गया कि उपराज्यपाल ने 12 मार्च 2018 की तारीख से वीके जैन द्वारा की गई इस्तीफे की पेशकश स्वीकार कर ली है। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी जैन ने मुख्यमंत्री के सलाहकार पद से इस्तीफा दिया था। सूत्रों ने बताया कि जैन ने वकालत के पेशा में शामिल होने का फैसला किया है।

मेट्रो फेज तीन में देरी की जांच रिटार्यड चीफ जस्टिस करें : विजेन्द्र गुप्ता

डूडा मरे हुए सांप की तरह गले में फंस गया है, इससे विकास की रफ्तार कम हुई

नई दिल्ली। विधान सभा में विपक्ष के नेता विजेन्द्र गुप्ता ने आम आदमी पार्टी की सरकार को दिल्ली मेट्रो फेज तीन के निर्माण में भारी विलंब के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए मामले की न्यायिक जांच उच्च न्यायालय के रिटार्यड चीफ जस्टिस से कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मामला गंभीर है और स्वतंत्र जांच कराना जरूरी है। दिल्ली सरकार ने विधायक निधि खर्च करने के लिए डूडा बनाया लेकिन यह मरे सांप की तरह गले में फंस गया है। उपराज्यपाल के अभिभाषण पर विधान सभा में बोलते हुए विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि सरकार स्पष्टीकरण दे कि किन परिस्थितियों में मेट्रो फेज तीन पूरा होने में भारी विलंब हुआ। अब फेस चार को एक साल से रोक कर रखा गया है। मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि वे फेस चार का रिव्यू कर रहे हैं। चौथे फेज में मेट्रो गरीब बस्ती तक जाएगी, मेट्रो लासन खजूरी खास, नरेला, बवाना जैसे पिछड़े इलाके तक पहुंच जाएगी। इस योजना में साल भर की देरी का खमियाजा गरीब लोग उठा रहे हैं जहां इस नेटवर्क को पहुंचना है। यह सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है और तीन साल तक सिग्नेचर ब्रिज का अधूरा रहना सरकार के ठप्प होने का बड़ा उदाहरण जनता के सामने है। स्कूलों की संख्या बढ़ने के बजाय कम हो चुके हैं। स्कूलों में न प्रिंसिपल हैं न वाइस प्रिंसिपल। शिक्षकों के 28 हजार पद खाली हैं जिसे सरकार अभी तक नहीं भर पाई है। कक्षा 9वीं में एक लाख बच्चे फेल हो गए।

»» केदारनाथ सिंह पंचतत्व में विलीन

पुत्र नड्डे दी मुखाग्नि, लोदी रोड शव दाह गृह में हुआ अंतिम संस्कार

अंतिम संस्कार में शामिल हुए लेखक, पत्रकार व विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग सिंह के निधन पर पीएम नरेन्द्र मोदी, बिहार के सीएम नीतीश कुमार समेत साहित्यिक संगठनों ने जताया शोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधुनिक हिन्दी कविता के शिखर पुरुष केदारनाथ सिंह का मंगलवार को लोदी रोड स्थित शवदाह गृह में अंतिम संस्कार कर दिया गया। 83 वर्षीय श्री सिंह को मुखाग्नि उनके पुत्र सुनील कुमार सिंह ने दी। ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित एवं साहित्य अकादमी के मानद फेलो श्री सिंह का सोमवार रात आठे बजे के करीब अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया था। वह पिछले कुछ समय से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे। श्री सिंह के अंतिम संस्कार के समय जवाहर लाल नेहरू विविद्यालय के पूर्व कुलपति एस के सोपोरी, साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव, पूर्व सचिव के सच्चिदानन्दन, भारतीय ज्ञानपीठ के निदेशक लीलाधर मंडलोई, जनवादी लेखक संघ के महासचिव मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, प्रगतिशील लेखक संघ के महासचिव अली जावेद के अलावा अशोक वाजपेयी, नरेश सक्सेना, ओम थानवी, मैनेजर पाण्डेय, निर्मला जैन, पुरुषोत्तम अग्रवाल, वीर भारत तलवार, मंगलेश डबराल, शमीम हनफी, विष्णु नागर समेत अनेक जाने-माने लेखक, पत्रकार एवं बुद्धिजीवी मौजूद थे। केदारनाथ सिंह के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पुत्र एवं राज्यसभा सदस्य नीरज शेखर ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार सुबह ट्वीट कर के अपने शोक संदेश में कहा कि हिन्दी के महान कवि-साहित्यकार केदारनाथ सिंह जी के निधन से गहरा दुख हुआ है। उन्होंने लोक जीवन की संवेदनाओं को अपनी कविताओं में जगह दी। साहित्य जगत और सामान्य जन दोनों को हमेशा उनसे प्रेरणा मिलती रहेगी। ईर दिवंगत आत्मा को शांति दे और परिवार को इस दुखद घड़ी में संबल प्रदान करे। श्री नीतीश कुमार ने अपने शोक सन्देश में कहा कि केदार जी का बिहार से गहरा नाता रहा है। वह बिहार राजभाषा पुरस्कार चयन समिति के अध्यक्ष भी थे।

सरल भाषा में जीवन की जटिलताओं की अभिव्यक्ति करने की उनकी अनूठी शैली थी। वह जीवन में गहरी आस्था रखने वाले कवि थे और जमीनी हकीकत को कविता के माध्यम से अभिव्यक्त करते थे। साहित्य अकादमी ने अपने शोक सन्देश में कहा कि केदार जी हिन्दी ही नहीं बल्कि भारतीय भाषाओं के शिखर पुरुष थे और उन्होंने हिन्दी की कई पीढ़ियों को प्रभावित किया था। वह कवि के अलावा समालोचक और चिन्तक भी थे। अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव द्वारा जारी शोक संदेश में कहा गया है कि श्री सिंह अपनी नवोन्मेषी रचनात्मकता के नाते भारतीय साहित्य के अविस्मरणीय धरोहर बने रहेंगे। साहित्य अकादमी को उनका सदा सक्रिय सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त था। जनवादी लेखक संघ ने अपने शोक सन्देश में कहा कि हिन्दी के मौजूदा कवियों में वह निस्संदेह शीर्ष पर थे। वह हिन्दी की प्रगतिशील कविता को नई भावभूमि प्रदान करने के लिए याद किए जाएंगे उनका निधन भारतीय साहित्य विशेषकर हिन्दी की प्रगतिशील जनवादी धारा के लिए अपूरणीय क्षति है। साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त लेखक गिरिराज किशोर ने अपने शोक सन्देश में कहा कि केदार जी काव्य के क्षेत्र में नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा के स्रेत थे। वह शांत स्वभाव के व्यक्ति थे।

भाजपा विधायक पहुंचे अदालत

नई दिल्ली। अयोग्य ठहराये जा चुके परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत को विधानसभा सत्र में भाग लेने से रोकने के लिए दिल्ली के भाजपा विधायक मंगलवार को हाईकोर्ट पहुंचे। याचिका में गहलोत के मंत्री पद पर बने रहने को चुनौती दी गई है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यायमूर्ति सी. हरि शंकर की पीठ के समक्ष उल्लेख किया गया। पीठ ने मामले को कल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 16 मार्च को शुरू हुआ और यह 28 मार्च तक चलेगा। चुनाव आयोग ने 19 जनवरी को लाभ के पद पर आसीन रहने के कारण आप के 20 विधायकों को अयोग्य घोषित करने की सिफारिश की थी। चुनाव आयोग की इस सिफारिश को राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी थी। विधायकों ने खुद को अयोग्य घोषित किये जाने के फैसले को चुनौती दी है, जिसपर फैसला आना बाकी है। भाजपा के चार विधायकों विजेन्द्र गुप्ता, ओपी शर्मा, जगदीश प्रधान और मनजिदरसिह सिरसा की तरफ से अधिवक्ता बालेंदु शेखर और नीरज कुमार ने याचिका का उल्लेख किया। विधायकों ने अपनी याचिका में गहलोत को सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेने की अनुमति देने के लिए विधानसभा अध्यक्ष की ओर से बताई गई।

मुख्य सचिव से मारपीट का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव अंशु प्रकाश से मुख्यमंत्री आवास पर हुई मारपीट के मामले में मंगलवार को पुलिस ने संगम विहार से विधायक दिनेश मोहनिया से सिविल लाइन थाने में पूछताछ की। विधायक दिनेश मोहनिया को नोटिस भेज कर पूछताछ के लिए बुलाया गया था। मंगलवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे विधायक दिनेश मोहनिया थाने पहुंचे, हालांकि उन्हें दस बजे तक जांच में शामिल होने के लिए कहा गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान दिनेश मोहनिया ने मुख्यमंत्री आवास पर मुख्य सचिव अंशु प्रकाश से हुई मारपीट की बात से साफ इनकार किया है। वहीं अपने बयान में उन्होंने जो जानकारी पुलिस को दी, वह पूछताछ के लिए पहले ही बुलाए गए पार्टी के अन्य विधायकों के बयान से मिलती जुलती थी। हालांकि पुलिस जांच अधिकारी का कहना है कि मामले की जांच में कुछ नई बातें निकलकर सामने आई है, जिसके आधार पर अब आगे की जांच की जाएगी। साथ ही मौके से बरामद फुटेज के आधार पर छानबीन की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, सभी विधायकों ने जांच में पूरी तरह से सहयोग करने का लिखित आश्वासन दिया है।

राज्य कमेटी की ओर से विजय कुमार ने बताया कि 27 मार्च को चार बजे कर्मचारी राजघाट पर एकत्रित होंगे।

दिल्ली सरकार के खिलाफ 27 को निकालेंगे कैंडल मार्च

नई दिल्ली। लंबित मांगों को लेकर एक बार फिर दिल्ली सरकार के खिलाफ स्वास्य कर्मचारियों ने हुंकार भरी है। जल्द कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज करते हुए हल्ला बोल करने का फैसला लिया है। जिसके तहत 27 मार्च को हजारों कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से कैंडल मार्च निकालेंगे। नेशनल पब्लिक हेल्थ अलाइंस (एनपीएचए) के नेतृत्व में होने वाले इस प्रदशर्न में कर्मचारी दिल्ली सचिवालय तक कैंडल मार्च निकालेंगे। जबकि इससे पहले राजघाट पर एकत्रित होकर नारेबाजी करेंगे। राजघाट पर वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर इस आंदोलन का शुरुआत करेंगे। राज्य कमेटी की ओर से विजय कुमार ने बताया कि 27 मार्च को चार बजे कर्मचारी राजघाट पर एकत्रित होंगे। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार के अस्पतालों में काम कर रहे स्वास्य कर्मचारी लंबे समय से सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू कराने के साथ साथ वेतन आयोग की तालिका आर1/एच2 के अनुसार ही रखने की मांग है। लेकिन दिल्ली सरकार लगातार कर्मचारियों की इन मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। कुछ दिन पहले भी कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ प्रदशर्न किया था। अब दिल्ली सचिवालय पहुंचकर वे सरकार के कानों तक अपनी आवाज पहुंचाना चाहते हैं।

पेरियार की प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने के आरोप में सीआरपीएफ जवान गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के पुदुकोट्टई जिले में समाज सुधारक और द्रविड़ आंदोलन के प्रतीक पेरियार की एक प्रतिमा के साथ कथित तौर पर तोड़फोड़ करने वाले सीआरपीएफ के एक जवान को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुदुकोट्टई जिला पुलिस ने बताया कि हेड कांस्टेबल एस सेंथिल कुमार(35) को कल रात विदुथी गांव में उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। इलाके से ली गयी सीसीटीवी फुटेज में वह नशे की हालत में प्रतिमा को नुकसान पहुंचाते हुए नजर आ रहा है।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने एक बयान में बताया कि कुमार 14 मार्च से 30 दिनों की छुट्टी पर तमिलनाडु के अपने पैतृक गांव में है। इस घटना के मद्देनजर उसे निलंबित कर दिया गया है।

राज्य विधानसभा में विपक्षी द्रमुक द्वारा मुद्दा उठाये जाने पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी ने आज सदन को सूचित किया कि इस मामले में कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। इवी रामास्वामी' पेरियार की प्रतिम 119 मार्च को विदुथी गांव में क्षतिग्रस्त पाई गई थी। सीआरपीएफ ने बताया कि कुमार का एक मानसिक रोग'' स्किज़ोफ्रेनिया का 12 फरवरी से हैदराबाद के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सीआरपीएफ ने कहा,'' वह14 मार्च से तमिलनाडु के अपने पैतृक गांव में30 दिनों की छुट्टी पर था। विधानसभा में पलानीस्वामी ने कहा कि

जवान छत्तीसगढ़ में तैनात था और वह छुट्टी में अपने पैतृक गांव विदुथी आया था।

मुख्यमंत्री ने नेताओं की प्रतिमाओं की तोड़फोड़ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है और वेल्लोर एवं पुदुकोट्टई जिले में पेरियार की प्रतिमाओं के साथ हाल ही में हुयी तोड़फोड़ की घटनाओं को' निंदनीय करार दिया।

पुदुकोट्टई घटना का हवाला देते हुये उन्होंने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मौके पर पहुंच गये और मामला दायर किया गया।

दोषी को पकड़ने के लिए विशेष टीमें गठित की गयी। पलानीस्वामी ने पुलिस जांच के हवाले से बताया कि कुमार ने वर्ष2013 में उसके घर के निकट मूर्ति स्थापित किये जाने का विरोध किया था और इसे क्षतिग्रस्त करने की चेतावनी दी थी।

उन्होंने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे हिरासत में भेज दिया गया है। मूर्ति पुनर्स्थापित कर दी गई है।

वेल्लोर जिले में पेरियार की एक मूर्ति क्षतिग्रस्त किये जाने से संबंधित छह मार्च की घटना का जिक्र करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि इस संबंध में भाजपा के एक पदाधिकारी और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। इससे पूर्व द्रमुक के कार्यकारी अध्यक्ष और विपक्ष के नेता एम के स्टालिन ने भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एच राजा के राज्य में पेरियार की प्रतिमाओं के संबंध में दिये गये बयान की निंदा की। द्रमुक नेता ने राजा की गिरफ्तारी की मांग की थी।

हर घंटे देश में चार मासूमों से होता है रेप

नए भारत के निर्माण को सुरक्षित भारत का निर्माण जरूरी : सत्यार्थी

नई दिल्ली। नोबल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि अगर धर्मगुरु चाहे मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और गिरजाघर से यह ऐलान कर दें कि जो भी व्यक्ति किसी भी महिला के साथ व्यभिचार/दुराचार/बालात्कार करेगा उसे धर्म से निकाल दिया जाएगा तो इस समस्या का समाधान तुरंत हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हर घंटे देश में चार मासूम से बालात्कार होता है। यह चौंकाने वाले आंकड़े हैं। उन्होंने कहा कि नए भारत के निर्माण के लिए सुरक्षित भारत का निर्माण जरूरी है। सत्यार्थी कांस्टीटयूशन क्लब में मीडिया कर्मियों के लिए कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन की ओर से आयोजित मीडिया कार्यशाला में यह बात कही। इस मौके पर उन्होंने 1980 में पहली बार पंजाब के सरहिंद के एक ईट भट्टे से वेश्यावृत्ति के

लिए बेची जाने वाली 15 वर्षीय बंधुआ बाल मजदूर (सीता बदला हुआ नाम) समेत 34 बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराया था। इसके बाद उन्होंने पत्रकारिता छोड़ कर बंधुआ बाल मजदूरों के खिलाफ आंदोलन शुरू किया। उन्होंने पहली बार जब बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराया था तो उनके साथ मारपीट भी हुई थी, लेकिन मैंने हौसला नहीं हारा और तब से लगातार मानव तस्करी और बंधुआ बाल मजदूरों के लिए काम रह रहा हूं और इसमें सबसे ज्यादा सहयोग मीडिया और न्यायपालिका का मिला है। उन्होंने कहा कि यह देश शक्ति के नाम पर एक महिला (दुर्गा) को पूजता है, ज्ञान के नाम पर सरस्वती को पूजता, धन के लिए लक्ष्मी को पूजता है, पर इसी देश में लड़किया सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि पॉस्को के तहत अब तक जितने मामले दर्ज हुए हैं अगर यही रफ्तार रही तो उसका सामाधान होने में 50 साल लग जाएंगे। यानि आज जो 10 साल की लड़की है वह जब दादी-नानी बन जाएगी तब फैसला आएगा। इससे पूर्व मीडिया कर्मियों को पॉस्को, जेजे एक्ट और मानव तस्करी समेत बाल मजदूरी और बाल तस्करी से जुड़े कानूनों के बारे में फाउंडेशन से जुड़ी ज्योति माथुर ने दी। फाउंडेशन से जुड़े भुवन (कानूनी विशेषज्ञ) ने कहा कि जो कानून व्यवस्था है अगर वही सही तरीके से लागू हो जाए तो सभी समस्याओं का सामाधान हो जाएगा।

रेलकर्मियों को मिले नई पेंशन योजना से छूट : एनएफआईआर

नई दिल्ली। रेल कर्मचारियों के संगठन एनएफआईआर के महामंत्री डा. एम रघुवैया ने रेल मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिख कर अनुरोध किया है कि जिस तरह से रक्षा विभाग के सैनिकों को नई पेंशन योजना (एनपीएस) से अलग रखा गया है ठीक उसी तरह से रेलवे कर्मचारियों को नई पेंशन योजना से छूट देने के लिए हस्तक्षेप करें। रघुवैया ने रेल मंत्री से आग्रह किया है कि वह इस मामले में वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री से मिलकर एनपीएस से रेलवे को छूट दिलाएं। उन्होंने रेल मंत्री को बताया है कि अधिकतर रेल कर्मचारियों को दूरदराज इलाकों में काम पर जाना पड़ता है। जहां उपयुक्त आवास, बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा, पेयजल और स्वास्य देखभाल की सुविधा जैसी न्यूनतम बुनियादी सुविधाएं नहीं होती है।

संपादकीय

भयावह त्रासदी

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के लिए भी यह आसान नहीं रहा होगा। इराक में काम करने गए 39 भारतीय कर्मचारियों के मारे जाने की खबर उन्होंने कितने भरे मन से दी होगी, इसे समझा जा सकता है। खासकर तब, जब पिछले तकरीबन चार साल से वह इन लोगों के परिजनों और साथ में पूरे देश को सरकार की तरफ से यह आश्वासन दे रही थीं कि इन लोगों को बचा लिया जाएगा। हालांकि जैसे-जैसे समय निकलता जा रहा था, ये आश्वासन भी अपना अर्थ खोते जा रहे थे। ऐसा नहीं है कि भारत सरकार ने इसके लिए कोशिश नहीं की होगी। लेकिन इस्लामिक स्टेट के आतंकियों ने जिस क्षेत्र में यह वारदात की, वहां भारत सरकार तो दूर, उस समय इराक सरकार तक की पहुंच भी नहीं थी। वह ऐसा क्षेत्र था, जहां न भारत की कूटनीति कुछ काम कर सकती थी और न ही भारत की सैन्य ताकत। यहां तक कि उस इलाके में भारत की खुफिया उपस्थिति भी नहीं थी। हालांकि यह भी नहीं कहा जा सकता कि सरकार इस मामले में हाथ पर हाथ धरे बैठी थी। इस्लामिक स्टेट के कब्जे वाले मोसुल इलाके से उसी दौरान भारत ने जिस तरह केरल की नर्सो को मुक्त कराया और उन्हें भारत वापस लाने में सफलता हासिल की गई, वह बताता है कि सरकार इस मसले पर लगातार सक्रिय थी। लेकिन इन 39 लोगों के मामले में यह सक्रियता भी किसी काम नहीं आ सकी। आतंकवादी संगठन ने निर्माण मजदूरों के तौर पर वहां काम करने गए इन लोगों की न सिर्फ हत्या कर दी, बल्कि उनके शवों को एक सामूहिक कब्र में दफन कर दिया।यह मामला सिर्फ सरकार के प्रयासों का और उनके अंजाम तक न पहुंच पाने का ही नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज और हमारे नौजवानों के बारे में भी काफी कुछ कहता है। खबरों में बताया गया है कि ये सारे नौजवान महज 35 हजार रुपये महीने की नौकरी के लिए अपनी जान जोखिम में डालने को तैयार हो गए, और एक ऐसे इलाके में पहुंच गए, जिसे आज भी मौत की घाटी माना जाता है। यह बताता है कि हमारे नौजवानों पर जीवन-यापन के दबाव कितने बड़े हैं और उनके विकल्प कितने सीमित हैं। ऐसे विकल्प कोई जान-बूझकर नहीं, बल्कि मजबूरी में ही चुनता है। यही बात इन 39 लोगों के बारे में भी कही जा सकती है और केरल की उन लड़कियों के बारे में भी, जो नर्स की नौकरी करने के लिए युद्धग्रस्त क्षेत्र जाने को तैयार हो गई थीं।सरकार अपनी तरफ से लगातार ऐसी चेतावनी जारी करती रहती है कि भारतीयों को कामकाज या नौकरी के सिलसिले में किन क्षेत्रों में जाना चाहिए और किन क्षेत्रों में नहीं। यह काम भी अपने आप में जरूरी है, लेकिन अब लगता है कि सिर्फ इतना ही पर्याप्त नहीं है। सरकार को उन एजेंटों और दलालों पर भी लगाम कसनी होगी, जो युद्धग्रस्त और अशांत क्षेत्रों के लिए नौजवानों की भर्ती करते हैं। यह भी मुमकिन है कि बहुत से मामलों में इन नौजवानों को यह ठीक से बताया ही न जाता हो कि उन्हें किस क्षेत्र में या कैसी जगह पर तैनात किया जाएगा। हालांकि सबसे बेहतर तो यही है कि नौजवानों के लिए देश में ही रोजगार के सम्मानजनक और पर्याप्त अवसर पैदा किए जाएं। जब तक यह नहीं हो सकता, उन्हें किसी भी तरह के खतरे से बचाना समाज और सरकार, दोनों की जिम्मेदारी है। अब जब देश के 39 बहादुर नौजवानों की मौत की खबर हमें मिली है, तो यह संकल्प हमें लेना ही होगा।

फेडरल फंट

इसका अनुमान खुद कांग्रेस को भी न रहा होगा कि उसके डिनर पर आई पार्टियां ''फेडरल फ्रंट' (संघीय मोर्चा)की कवायद के साथ उसके विरुद्ध मोर्चा खोल देंगी। दरअसल, ये पार्टियां गैर कांग्रेस और गैर भाजपा दलों को साथ लेकर एक तीसरा फ्रंटबनाने की संभावनाएं तलाश रही हैं। इसके साकार होने का विास बड़ा सादा है। यूपीए एक-दो के दौरान किये गए गुनाहों के बोझ से कांग्रेस अभी तक दबी पड़ी है। लोगों की स्मृति में उसकी कौंध बची हुई है। उत्तर प्रदेशऔर बिहार में हुए ताजा उपचुनाव परिणामों में वह शून्य रही है। ऐसी कांग्रेस से पीछा छुड़ाना ही बेहतर है। वहीं नरेन्द्र मोदी सरकार की अहन्मयता के चलते उसके अपने साथी खिसकने लगे हैं। जो बचे हैं, उनमें भी एक उकताहट है। वे सही मौके पर एनडीए से कूच करने के सटीक बहाने की तलाश कर रहे हैं। इन घटनाक्रमों को क्षेत्रीय दलों के नेता प्रस्तावित संघीय मोर्चे के लिए खास अवसर मान रहे हैं। इनका विास है कि देश में नये बदलाव जरूरत है। उसको एक सर्वथा एक नया संघीय विन्यास चाहिए, जिसका सपना संविधान में देखा गया है, लेकिन उसका वास्तविक अर्थो में साकार होना बाकी है। हालांकि ये नेता अपने अभिप्रायों और प्रयासों में ज्यादा रेटारिक लगते हो सकते हैं। यह कहने के बावजूद कि फेडरल मोर्चा पहले से भिन्न होगा, जानकारों समेत आम जनता के लिए यह भानुमति के कुनबे से ज्यादा नहीं होगा। संविद सरकार से लेकर जनता पार्टी और जनता दल से शुरू होकर अल्पायु में ही उनके खंड-खंड विखंड होने का इतिहास है। इस बात को छोड़ कर कि इन प्रयोगों से लोकतंत्र की निरंतरता और मजबूती मिली है कि बदलाव का अख्तियार जनता को है। लेकिन बिना किसी बड़े दल के मोर्चे या गठबंधन में स्वीकार्य नेतृत्व के मसले पर लगातार चलने वाली खींचतानों से देश का विकास बाधित हुआ है। इसकी परिणति बार-बार के चुनावों में होती है और खर्चे का भार जनता को उठाना पड़ता है। इनसे ऊब कर ही जनता ने बड़ी पार्टियों-कांग्रेस व भाजपा-के कमान वाले गठबंधन को जिताने में भलाई समझी है। विगत डेढ़ दो दशकों से यही ट्रेंड चल रहा है। वैसे तीसरे मोर्चे की बात समय पहले का सपना है। असल में राजस्थान, मध्य प्रदेश और कर्नाटक के चुनाव परिणामों के बाद वैकल्पिक मोर्चे के बनने की आवश्यकता और उसका आकार तय हो सकेगा। तब तक लोकतांत्रिक संवादों का दौर यों ही चलता रहेगा। यह भी जरूरी है।

चौं रे चम्पू/अशोक चक्रधर

ताजगी का राज

चौं रे चम्पू! और बता, कहां घूमि आयौ? -ताजा-ताजा पुणो से लौटा हूं! पानी के छींटे मारने से सब्जी पर रौनक आती है, ऐसा ताजा। वहां ''आयुका' के सभागार में ''सीडैक' का इकत्तीसवां स्थापना दिवस था। महानिदेशक डॉ. हेमंत दरबारी ने कम्प्यूटर वैज्ञानिक-विशेषज्ञों के बीच मुझे बीज-वक्तव्य के लिए बुलाया, शायद यह सोचकर कि मैं भी लगभग पच्चीस साल से भाषाई कंप्यूटिंग के क्षेत्र में प्रयोक्ता, प्रचारक और प्रशिक्षक के रूप में अंतर्मन और अतीव आशाओं के साथ लगा हुआ हूं। सीडैक के संस्थापक निदेशक पद्मभूषण डॉ. विजय भटकर ने मेरी बातों का समर्थन किया, मेरे लिए इससे बड़ा पुरस्कार क्या हो सकता था।-तौ तारीफ ते ताजगी आय गई? -नहीं चचा! ताजगी आई डॉ. दरबारी, डॉ. अजय कुमार और डॉ. करीमुद्दीन के साथ भविष्य की ''निकष', ''इमली' और अन्य योजनाओं पर बतियाने से। ताजगी आई, सीडैक द्वारा निर्मित देश के सुपर कम्प्यूटर 'परम युवा-टू' को देखकर। ताजगी आई, युवा वैज्ञानिकों की टीम से मिलकर। ताजगी आई, ''आयुका' में। ''आयुका' खगोलशास्त्र एवं खगोलभौतिकी का अंतरविविद्यालय केंद्र है। खगोलशास्त्री विज्ञान लेखक डॉ. जयन्त विष्णु नार्लीकर आयुका के संस्थापक हैं। ताजगी मिली, वहां के अतिथि-गृह के प्रांगण में लगीं आर्यभट्ट, गैलीलियो, न्यूटन और आइंस्टाइन की मूर्तियों के दर्शन करके। न्यूटन इसलिए समझ में आ गए क्योंकि प्रतिमा के नीचे पत्थर का सेब रखा हुआ था। मैं किशोरावस्था में एक बात सोचता था चचा! -कौन सी बात? -सेब के पेड़ मैंने देखे हैं। वे ऐसे छायादार, छतनार नहीं होते कि उसकी छाया में बैठे न्यूटन के सामने सेब गिरा हो। बात में कहीं-न-कहीं कोई लोचा है! वटवृक्ष के नीचे न्यूटन की मूर्ति देखकर उत्तर मिल गया। ज्ञान विराट वृक्षों के नीचे ही मिलता है! आर्यभट्ट ने शून्य का आविष्कार किया। कंप्यूटर ने शून्य और एक की संख्या से दुनिया बदल दी। ताजगी मिली, मानव-भविष्य वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं में जाकर। चार पंक्तियां सुन लीजिए, ''प्राण का, हृदयतंत्रिका का, स्नायु का; व्योम-क्षिति का. नीर-पावक-वायु का; ''आयुका' में आके जैसे मिल गया; राज़ अपनी ताज़गी की आयु का!'

यहीं कहीं रहेंगे केदारनाथ सिंह

मंगलेश डबराल, वरिष्ठ कवि

हिंदी कविता की एक महत्वपूर्ण पीढ़ी तेजी से विदा हो रही है। यह एक दुखद और डरावना दृश्य है, जहां ऐसे बहुत कम कवि बचे हैं, जिनसे कविता का विवेक और प्रकाश पाया जा सके। पिछले वर्ष कुंवर नारायण, चंद्रकांत देवताले, दूधनाथ सिंह और अब केदारनाथ सिंह। केदारजी रक्तचाप, मधुमेह या हृदयाघात जैसी व्याधियों से मुक्त थे, जो अस्सी वर्ष पार करने वाले व्यक्ति को प्राय- अपनी गिरफ्त में ले लेती हैं और सबको उम्मीद थी कि वह निमोनिया पर काबू पाकर फिर से लेखन में सक्रिय होंगे। लेकिन यह उम्मीद पूरी नहीं हो पाई।

रघुवीर सहाय और कुंवर नारायण की शानदार पीढ़ी में केदारजी शायद कवि और मनुष्य, दोनों रूपों में सबसे अधिक लोकप्रिय थे और उनसे अधिक जनप्रिय किसी कवि की याद आती है, तो वह बाबा नागार्जुन ही हैं। केदारजी ने यह भी प्रमाणित किया कि कविता अगंभीर या 'तरल-सरल' बनाए बगैर, उसकी शर्तों से समझौता किए बगैर भी लोकप्रियता अर्जित कर सकती है और इसके लिए कवि को अपनी वास्तविक जगह, अपनी मूलभूमि और अपने लोगों से गहरे जुड़ना पहली शर्त है। केदारजी की कविता के केंद्र में यह 'निवास-स्थल' हमेशा बना रहा। चकिया, जहां जन्म हुआ या बनारस, जहां उनकी काव्य-संवेदना विकसित और विस्तृत हुई और पडरौना, जहां वह शिक्षक के रूप में लंबे समय तक काम करते रहे। दिल्ली में भी उनका लंबा प्रवास रहा और उनकी संतानों के परिवार भी यहीं बसे, लेकिन उनका वास्तविक निवास और घर चकिया, पडरौना और बनारस ही रहा। शायद यही वजह थी कि वह अक्सर दिल्ली से घबराकर अपने गांव-कस्बे में चले जाते, खेतों में टहलते और बचपन के मित्रों के साथ एक ठेठ भोजपुरी जिंदगी जीते हुए परम प्रसन्न होते। या फिर उनका मन अपनी बड़ी बहन के घर कोलकाता में लगता, जो महानगर होने के बावजूद अब भी एक विराट गांव है और जहां बांग्ला के कई कवियों से उनकी अच्छी मित्रता रही। कविगण प्राय- अपने मूल निवास नहीं बदलते और भले ही वे विस्थापित होकर कहीं चले जाएं, वे मूल भूमियां उनके साथ बनी रहती हैं। केदारजी की कविता में देहात और शहर के बीच का तनाव हमेशा बना रहा। दिल्ली जैसे निर्मम महानगर में रहते हुए वह ड्रॉइंग रूम में एक कुदाल की उपस्थिति को इसी तनाव और विडंबना की आंखों से देखते हैं।

कविता में भी केदारजी ने लोक और स्थानीय-ग्रामीण संवेदना को एक अत्यंत चुस्त मुहावरे और उत्कट बिंबों के साथ न सिर्फ संभव किया, बल्कि उसे आधुनिक रचना-संसार में प्रतिष्ठा भी दी। उनके काव्य-जीवन की शुरुआत नवगीतों से हुई थी और उनके लोक-कविता जैसे बिंब और दृश्य बहुत से पाठकों को आज भी याद होंगे और प्रभावित करते होंगेधान उगेंगे कि प्राण उगेंगे/ उगेंगे हमारे खेत में/ आना जी बादल जरूर। केदारजी की इस दौर की कविता उस नई पीढ़ी के मर्म को छूती थी, जो एक परंपरा और पुरानी रचनाशीलता के बीच अपनी जड़ें जमाने की छटपटाहट से गुजर रही थी- मां ने लगाया है आंगन में तुलसी का बिरवा/ और पिता ने बरगद छतनार/ मैं अपना यह नन्हा गुलाब कहां रोपूं। केदारजी को अपने पहले संग्रह अभी बिलकुल अभी और तीसरा सप्तक में शामिल कविताओं से ही पर्याप्त पहचान मिल गई थी, लेकिन उसके बाद उनकी संवेदना में नए प्रस्थान-बिंदु पैदा हुए, वह ज्यादा आधुनिक और कम रूमानी हुई और कई वर्ष बाद प्रकाशित दूसरे संग्रह के साथ वह एक ऐसे कवि के रूप में प्रतिष्ठित हुए, जो प्रतिबद्ध और 'नई कविता' की चौहद्दियों, उसके आत्मगत घात-प्रतिघात की भाषा में बात करता था। यह 'दांतों के बीच फंसी हुई भाषा' थी, जहां 'चीजें एक ऐसे दौर से गुजर रही थीं कि मेज को मेज कहना उसे वहां से उठाकर अज्ञात अपराधियों के बीच रख देना' था।

केदारजी में अपनी कविताओं जैसी ही शराफत थी। वह अपने बारे में, निजी सुख-दुख के बारे में बहुत कम बात करते थे।

प्रकृति केदारनाथ सिंह की कविता में एक जैविक उपस्थिति है, जो पहले कविता संग्रह से ही साथ थी और अब तक के आखिरी संग्रह सृष्टि पर पहरा में और भी सघन और अर्थपूर्ण हुई है। केदारजी की कविता की यह बड़ी सामर्थ्य है कि वह किसी मामूली वस्तु या व्यक्ति को एक गैर-मामूली और मार्मिक परिप्रेक्ष्य में रख देती है और उसे अलग से अपना कोई वक्तव्य निर्मित नहीं करना पड़ता। उसका हाथ अपने हाथ में लेते हुए/ मैंने सोचा/ दुनिया को इतना ही सुन्दर और गर्म होना चाहिए ऐसा ही चर्चित बिंब है। केदारजी अक्सर बिंब या दृश्य को ही पूरा वक्तव्य बना देते हैं, जिससे उनकी कविता बहुत मुखर नहीं हुई और उसका स्वर मद्धिम बना रहा, जिसकी कुछ आलोचना भी होती रही कि वह बिंबों से बाहर नहीं आ पाते और अपने समय के भयावह सामाजिक-राजनीतिक यथार्थ पर कोई प्रत्यक्ष टिप्पणी नहीं करते।

अक्सर कविता के पीछे उसका कवि छिपा होता है। केदारजी में अपनी कविताओं जैसी ही शराफत थी। वह अपने बारे में, निजी सुख-दुख के बारे में बहुत कम बात करते थे। बहुत पूछने पर ही कुछ कहते, लेकिन उन्हें दूसरों, पुराने दोस्तों-जैसे कैलाशपति निषाद के बारे में बताना और खासकर अपने से कम उम्र के लेखकों से गपशप करना बहुत प्रिय था। निषाद को लिखी उनकी चिट्ठियों की एक पुस्तक भी प्रकाशित है। किसी मंच पर अपनी प्रशंसा सुनना भी उन्हें अटपटा लगता और जब कोई उनका लंबा-चौड़ा परिचय देने लगता, तो वह उसे बीच में ही रोक देते। जिन लोगों ने उनके साथ कोई सफर किया हो या शाम बिताई हो, वे जानते हैं कि उनसे बात करना कितना खुशनुमा होता था। वह जेएनयू में हिंदी के विभागाध्यक्ष रहे, लेकिन आम अध्यापकों के उलट वह गुरुडम से दूर थे। उनकी गद्य पुस्तक कब्रिस्तान में पंचायत की बहुत चर्चा नहीं हुई, पर उससे पता चलता है कि केदारजी आम लोगों से कितना अपनापा रखते थे।

अपने आखिरी दिनों में केदारजी जगह-जगह प्रकाशित रचनाओं को खोजने-सहेजने का काम कर रहे थे और संभव है कि जल्दी ही उनका नया कविता संग्रह और नया संकलन हमारे सामने आए। लेकिन विचित्र और त्रासद-सा संयोग है कि केदारजी ने अपने अंतिम संग्रह में जाऊंगा कहां को अंतिम कविता के रूप में रखा, जिसमें संसार से विदा लेने की आहट के साथ उनके उत्तर-जीवन का भी संकेत है- जाऊंगा कहां, रहूंगा यहीं/ किसी किवाड़ पर/हाथ के निशान की तरह/ पड़ा रहूंगा/ किसी पुराने ताखे/ या संदूक की गंध में...।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कैप्टन का एक साल

चुभने लगीं दरकते सपनों की किरचें

हमीर सिंह

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी और कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने आसमान से तारे तोड़ ले आने तक के वादे कर डाले थे। दरअसल, अकाली-भाजपा सरकार से मोह भंग होने के कारण लोगों में आम आदमी पार्टी की तरफ झुकाव के चलते किसी भी सूरत में जीत हासिल करने के लालच में किए वायदे अब कैप्टन सरकार के गले की हड्डी बने हुए हैं।

कैप्टन ने नशा माफिया को जड़ से उखाड़ फेंकने के साथ ही चार सप्ताह के भीतर नशा खत्म करने का ऐलान किया था। माइनिंग, परिवहन, शराब, भूमि, केबल, लाटरी आदि माफिया का बड़े पैमाने पर जिक्र करते हुए इनको आते ही खत्म करने का वादा किया गया था। इसके अलावा किसानों को रिझाने के लिए संस्थागत, साहूकारा और तमाम किस्म के कर्ज माफ करके किसान-मजदूर की खुदकुशियां बंद करवाने का संकल्प लेते हुए कहा गया कि कुछ समय तक इंतजार कीजिए, बाद में खुदकुशी करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। तब कानून व्यवस्था सुधारने एवं गुरु ग्रंथ साहिब एवं कुरान शरीफ की बेअदबी के पीछे की साजिश को बेनकाब करने का वायदा भी जोर-शोर से किया गया।

एक साथ इतने वायदों के चलते लोगों की उम्मीदें सातवें आसमान पर पहुंच गईं पर कैप्टन सरकार आने के बाद ज्यादातर मुद्दे खामोशी के गर्त में चले गए। माइनिंग का मामला तो ऐसा हुआ कि कैप्टन के नजदीकी राणा गुरजीत सिंह का इसी माइनिंग से माल कमाने के आरोपों से स्वागत हुआ और आखिर कैप्टन भी राणा का मंत्री पद बचा नहीं पाए। आए दिन गुंडा टैक्स और नाजायज माइनिंग हो रही है। अमरेंद्र सिंह ने खुद हालात को देखकर अब जाकर सख्ती के आदेश दिए हैं।

सार्वजनिक परिवहन में भी बादलों की बसें पहले से बढ़ ही रही हैं, कम तो हुई नहीं। सरकार के वादे के बावजूद नशे के मुद्दे पर तो कैप्टन सरकार अपनों के ही निशाने पर है। करीब आधे विधायकों ने कैप्टन को मिलकर बिक्रम मजीठिया के इस मामले में शामिल होने की जांच करवाने के लिए पत्र तक सौंप दिया था। अरविंद केजरीवाल द्वारा माफी मांगने के बावजूद स्थानीय निकाय मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू ने कैप्टन सरकार द्वारा गठित विशेष टास्क फोर्स की रिपोर्ट को लेकर प्रेस कानफ्रेंस करके मजीठिया की गिरफ्तारी की मांग कर डाली। अब एक बार फिर मुख्यमंत्री की ओर सबकी नजरें हैं। गुरु ग्रंथ साहिब और कुरान शरीफ के मुद्दे पर बनाए जस्टिस रणजीत सिंह कमीशन की रिपोर्ट अभी आनी है।

सबसे बड़े मुद्दों में किसानों के कर्ज का मामला है। पंजाब के किसान पर मार्च 2017 तक संस्थागत कर्ज 73772 करोड़ रुपये है। इसमें से 59621 करोड़ रुपए फसली कर्ज है और 14151 करोड़ रुपए मियादी कर्ज (टर्म लोन) है। साहूकारा कर्ज किसान के कुल कर्ज का 25 फीसदी माना जाता है। इस तरह किसान एक लाख करोड़ रुपए के लगभग कर्जई हैं।

कैप्टन सरकार की आर्थिक स्थिति यह है कि वित्तीय जिम्मेवारी कानून के चलते और दस हजार करोड़ का ऋण लेने की स्थिति में भी नहीं है। केंद्र सरकार से कर्ज की सीमा बढ़वाने के कैप्टन के प्रयास सफल नहीं हो पाए। इन हालात के चलते सरकार ने फसली कर्ज में राहत के लिए डॉ टी. हक्क के नेतृत्व में एक कमेटी बना दी थी। कमेटी की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर कैप्टन ने जून 2017 में विधानसभा के अंदर सीमांत (ढाई एकड़ जमीन तक) किसानों का कुल में से दो लाख रुपए और छोटे (पांच एकड़ तक) वालों का दो लाख रुपए तक का कर्ज और खुदकुशी पीड़ित किसान एवं मजदूर परिवारों का पूरा कर्ज माफ करने का ऐलान कर दिया।

इसके मुताबिक 10.25 लाख किसानों का 9500 करोड़ रुपए बनता था। बजट में 1500 करोड़ रुपए का प्रावधान कर लिया और पैसा कहीं से भी जुटाने का वायदा किया गया। इसकी हकीकत यह है कि अभी तक सरकार ने दो बड़े समागम करके 296 करोड़ रुपए सहकारी बैंकों के माफ किए हैं।

हैप्पीनेस रपट

खुशमिजाजी को लगी नजर

अनिल जैन

लीजिए, हमारी फलती-फूलती अर्थव्यवस्था और आर्थिक विकास के तमाम दावों की खिल्ली उड़ाने और आईना दिखाने वाली एक और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट आ गई। संयुक्त राष्ट्र की ''र्वल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट' बता रही है कि खुशमिजाजी के मामले भारत का मुकाम दुनिया के तमाम विकसित और विकासशील देशों से ही नहीं बल्कि पाकिस्तान समेत तमाम छोटे-छोटे पड़ोसी देशों और युद्ध से त्रस्त फिलिस्तीन और अकाल ग्रस्त सोमालिया से भी पीछे हैं। हम भारतीयों का जीवन दर्शन रहा है- ''संतोषी सदा सुखी।' हालात के मुताबिक खुद को ढाल लेने और अभाव में भी खुश रहने वाले समाज के तौर पर हमारी विश्वव्यापी पहचान रही है। लेकिन दुनिया को योग और अध्यात्म से परिचित कराने वाले इस देश की स्थिति में पिछले कुछ वर्षो में तेजी से बदलाव आया है। संयुक्त राष्ट्र के ''सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशन नेटवर्क' की हर साल जारी होने वाली रिपोर्ट पिछले कुछ सालों से बताती आ रही है कि भारत के लोगों की खुशी और आत्म-संतोष के स्तर में लगातार गिरावट आती जा रही है। इस बदलाव की पुष्टि ''र्वल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2018' से भी होती है। यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र का एक संस्थान ''सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशन नेटवर्क' हर साल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वे करके जारी करता है। इस बार सर्वे में शामिल 156 देशों में भारत का स्थान इतना नीचे है, जितना कि अफ्रीका के कुछ बेहद पिछड़े देशों का है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस रिपोर्ट में पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, भूटान और नेपाल जैसे छोटे-छोटे पड़ोसी देश भी प्रसन्नता के मामले मे भारत से ऊपर हैं। यह देखकर हम यह नहीं कह सकते कि संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में कुछ-न कुछ घपला किया है। संयुक्त राष्ट्र की मूल्यांकन पद्धति वैज्ञानिक होती है, इसलिए उसके निष्कर्ष आमतौर पर सही ही होते हैं। अर्थशास्त्रियों की एक टीम समाज में सुशासन, प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य, जीवित रहने की उम्र, दीर्घ की जीवन की प्रत्याशा, भरोसेमंदी, सामाजिक सहयोग, स्वतंत्रता, उदारता आदि पैमानों पर दुनिया के सारे देशों के नागरिकों के इस अहसास को नापती है कि वे कितने खुश हैं। इन पैमानों पर भारत पिछड़ा हुआ है। इसीलिए उसे दुखी देशों में ऊंचा स्थान मिला है। इस साल जो ''र्वल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट' जारी हुई है, उसके मुताबिक भारत उन चंद देशों में से है, जो नीचे की तरह खिसके हैं। हालांकि भारत की यह स्थिति खुद में कोई चौंकाने वाली नहीं है। लेकिन यह बात जरूर गौरतलब है कि कई बड़े देशों की तरह हमारे देश के नीति-नियामक भी आज तक इस हकीकत को गले नहीं उतार पाए हैं कि देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) या विकास दर बढ़ा लेने भर से हम एक खुशहाल समाज नहीं बन जाएंगे। यह गुत्थी भी कम दिलचस्प नहीं है कि पाकिस्तान (75) और नेपाल (101) और बांग्लादेश (115) जैसे देश इस रिपोर्ट में आखिर हमसे ऊपर क्यों हैं, जिन्हें हम स्थायी तौर पर आपदाग्रस्त देशों में ही गिनते हैं। दिलचस्प बात है कि पांच साल पहले यानी 2013 की रिपोर्ट में भारत 111वें नंबर पर था। दरअसल, यह रिपोर्ट इस हकीकत को भी साफ तौर पर रेखांकित करती है कि केवल आर्थिक समृद्धि ही किसी समाज में खुशहाली नहीं ला सकती। इसीलिए आर्थिक समृद्धि के प्रतीक माने जाने वाले अमेरिका (18), ब्रिटेन (19) और संयुक्त अरब अमीरात (20) भी दुनिया के सबसे खुशहाल 10 देशों में अपनी जगह नहीं बना पाए हैं। ताजा रिपोर्ट में फिनलैंड दुनिया का सबसे खुशहाल मुल्क है। पिछले साल फिनलैंड इस सूची में पांचवें स्थान पर था। ''र्वल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट' में बताई गई भारत की स्थिति चौंकाती भी है और चिंतित भी करती है। आश्चय की बात यह भी है कि आधुनिक सुख-सुविधाओं से युक्त भोग-विलास का जीवन जी रहे लोगों की तुलना में वे लोग अधिक खुशहाल दिखते हैं, जो अभावग्रस्त हैं। हालांकि अब ऐसे लोगों की तादाद लगातार इजाफा होता जा रहा है, जिनका यकीन ''साई इतना दीजिए..''के उदात्त कबीर दर्शन के बजाय ''ये दिल मांगे मोर' के वाचाल स्लोगन में हैं। कुछ समय पहले विश्व स्वास्थ संगठन की आई एक अध्ययन रिपोर्ट में भी बताया गया था कि भारत दुनिया में सर्वाधिक अवसादग्रस्त लोगों का देश है, जहां हर तीसरा-चौथा व्यक्ति अवसाद के रोग से पीड़ित है। यह तय भी इस मिथक की कलई खोलता है कि विकास ही खुशहाली का वाहक है। संयुक्त राष्ट्र की ''र्वल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट' और विश्व स्वास्थ संगठन का भारत को सर्वाधिक अवसादग्रस्त देश बताने वाला सर्वे इसी हकीकत की ओर इशारा करता है।

बेहतर जिंदगी के लिये पदक जीतना चाहते हैं जिम्नास्ट पात्रा

कोलकाता। अदालत की शरण में जाने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों के लिये भारतीय जिम्नास्ट टीम में शामिल किये गये राकेश पात्रा न सिर्फ खुद को साबित करने के लिये पदक जीतने को बेताब हैं बल्कि इससे वह वित्तीय रूप से भी मजबूत बनना चाहते हैं। इस 26 वर्षीय कलात्मक जिम्नास्ट को भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ और भारतीय ओलंपिक संघ के बीच चल रही तनातनी के कारण पहले टीम में नहीं चुना गया था। इसके बाद उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की जिसके बाद उन्हें टीम में रखा गया। ओड़िशा के रहने वाले और विश्व कप के फाइनलिस्ट पात्रा की अब तक की यात्रा काफी मुश्किलों से भरी रही। जब वह पांच साल के थे तब उनका घर आग की भेंट चढ़ गया था लेकिन ब्रहमगिरी में प्राइमरी स्कूल के शिक्षक उनके पिता दयानिधि पात्रा ने अपने बेटे को अच्छा खिलाड़ी बनाने के लिये अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। भारतीय नौसेना में कार्यरत पात्रा ने मुंबई से कहा, ''उन्हें लगभग 400 रूपये महीना मिलता था जिसमें से आधा वह मेरे पर खर्च कर देते थे। मैंने उन्हें भूखे पेट सोते हुए भी देखा है। मुझे अब भी उस दर्द का अहसास होता है।'

उन्होंने कहा, 'मेरे चाचा और कोच ने मेरे पिताजी से कहा कि जिम्नास्टिक में मेरा भविष्य है। शिक्षक होने के बावजूद मेरे पिताजी ने मेरा पूरा सहयोग किया। जिम्नास्ट बनने के लिये मुझे जो कुछ चाहिए था वह मुझे मुहैया कराया गया।' पात्रा 2010 राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों से भारतीय टीम का हिस्सा हैं। वह पांच विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा ले चुके हैं लेकिन शीर्ष स्तर पर पदक से अब तक वंचित हैं। उन्होंने कहा, ''इसका मुझे अब भी खेद है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में चीजें बदलेंगी।' पिछले महीने मेलबर्न में विश्व कप में पात्रा फाइनल्स में पहुंचे तथा जापान और चीन के प्रतिद्वंद्वियों के बाद चौथे स्थान पर रहे। गोल्ड कोस्ट में ये दोनों देश भाग नहीं लेंगे और ऐसे में पात्रा की पदक जीतने की उम्मीद बढ़ गयी है। उन्होंने कहा, ''मैं जानता हूं कि अगर प्रतियोगिता के दिन अच्छा प्रदर्शन करता हूं तो पदक जीतने में सफल रहूंगा। मैं धीरे धीरे सर्वश्रेष्ठ तक पहुंच रहा हूं। अभी 20 दिन बचे हैं और उम्मीद है कि राष्ट्रमंडल खेलों में मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। मुझे इंग्लैंड और कनाडा की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।' पात्रा पिछले एक साल से घर नहीं गये हैं क्योंकि उनके माता पिता चाहते हैं कि वह अपने प्रशिक्षण पर ध्यान दे। उन्होंने कहा, ''मैं घर जाकर अपने पिताजी की साइकिल को हटाकर उसके बदले उन्हें स्कूटर देना चाहता था। लेकिन उन्होंने मेरी बात ठुकरा दी और कहा कि पहले पदक जीतो और फिर आओ। मैं नहीं चाहता कि उनकी कठिन तपस्या बेकार जाए।'

राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार पदक जीतने उतरेंगी मैरीकॉम

नई दिल्ली। पांच बार की विश्व चैंपियन और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता महिला मुक्केबाज़ एमसी मैरीकॉम अगले महीने आस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में चार अप्रैल से शुरू होने जा रहे राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला पदक जीतने का सपना पूरा करने उतरेंगी। पांच बार विश्व खिताब जीत चुकी और पांच बार एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुकी 35 वर्षीय मैरीकॉम ने अब तक राष्ट्रमंडल खेलों में कोई पदक नहीं जीता है। महिला मुक्केबाज़ी को 2014 के ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार शामिल किया गया था तब मैरीकॉम उन खेलों में हिस्सा नहीं ले पायी थीं। भारत ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में चार रजत और एक कांस्य सहित कुल पांच पदक जीते थे। मैरीकॉम 2014 के इंचियोन एशियाई खेलों और 2010 के ग्वांगझू एशियाई खेलों में क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीत चुकी हैं। मणिपुर की मैरी के खाते में सिर्फ राष्ट्रमंडल खेलों का पदक ही नहीं है।' मैग्निफिसेंट मैरी'के नाम से मशहूर मैरीकॉम ने गत वर्ष एशियाई चैंपियनशिप में जबरदस्त वापसी करते हुये स्वर्ण पदक जीता था जो एशियाई चैंपियनशिप में उनका पांच साल बाद हासिल किया गया स्वर्ण था। राज्यसभा सांसद मैरीकॉम के लिये यह संभवत आखिरी राष्ट्रमंडल खेल हो सकते हैं क्योंकि अगले राष्ट्रमंडल खेलों तक वह 39 वर्ष की हो जाएंगी। तीन बच्चों की मां मैरीकॉम भारतीय मुक्केबाज़ी में लीजेंड का दर्जा रखती हैं और गोल्ड कोस्ट में वह राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला पदक जीतने का सपना पूरा करना चाहेंगी।

रबाडा पर बैन हटाने से नाखुश स्मिथ, बोले- अब लड़ाई-झगड़े की वारदातें बढ़ेंगी

केपटाउन। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीवन स्मिथ ने दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा पर से हटाये गये मैच बैन के फैसले पर नाखुशी जताते हुये कहा है कि इससे मैदान पर खिलाड़ियों के बीच शारीरिक रूप से लड़ाई झगड़े की वारदातें बढ़ेगी। स्मिथ ने कहा कि मैच रेफरी के निर्णय को चुनौती नहीं देने की ऑस्ट्रेलिया की हमेशा से नीति रही है जिसे इस निर्णय के बाद बदला जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज़ के दूसरे पोर्ट एलिजाबेथ मैच के दौरान रबादा ने स्मिथ को आउट करने के बाद कंधा मार दिया था। इस मामले में रबादा को आईसीसी के नियमों के तहत लेवल दो का दोषी पाया था और तीन डीमेरिट अंक के साथ शेष मैचों के लिये बैन कर दिया गया था। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज़ ने इस फैसले को चुनौती दी थी जिसमें सुनवाई के बाद आईसीसी ने अपने इस निर्णय को बदलते हुये रबादा से मैच बैन हटा लिया है और वह आस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज़ के बाकी दोनों टेस्टों में खेल सकेंगे। साथ ही डीमेरिट अंक भी तीन से कम कर एक कर दिये हैं।

वनडे की असफलता भुलाकर टी-20 में नई शुरूआत करने उतरेगी महिला टीम

मुंबई (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया से तीन वनडे मैचों की श्रृंखला में बुरी तरह शिकस्त झेलने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम त्रिकोणीय टी-20 श्रृंखला में कल यहां इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ होने वाले पहले मैच में नये सिरे से शुरूआत करके सकारात्मक परिणाम हासिल करने के लिये मैदान पर उतरेगी।

इंग्लैंड इस टूर्नामेंट की तीसरी टीम है जिसके सभी मैच क्रिकेट क्लब आफ इंडिया के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले जाएंगे।

भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी-20 मैचों की श्रृंखला में 3-1 से जीत से प्रेरणा लेना चाहेगी लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मैचों में उसे बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा था और ऐसे में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम की राह आसान नहीं होगी भले ही प्रारूप भिन्न है।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार मैचों में अर्धशतक जड़ने वाली सलामी बल्लेबाज स्मृति मंदाना अपनी उसी फार्म को बरकरार रखना चाहेगी। अन्य बल्लेबाजों में हरमनप्रीत और मिताली राज पर भारतीय बल्लेबाजी काफी हद तक निर्भर है। इन दोनों को न सिर्फ टिककर खेलने बल्कि बड़ा स्कोर बनाने की भी जरूरत है।

भारतीय टीम में वेदा कृष्णमूर्ति और आलराउंडर पूजा वस्त्राकर के रूप में अच्छी बल्लेबाज हैं जिन्होंने पहले वनडे में 51 रन बनाये थे। युवा जेमिमा रोड्रिग्स ने भी तीसरे वनडे में 42 रन बनाकर अपनी प्रतिभा दिखायी थी।

झूलन गोस्वामी की चोट से उबरने के बाद वापसी से गेंदबाजी को मजबूती मिली है। उनके साथ शिखा पांडे गेंदबाजी की अगुवाई करेंगी। स्पिन विभाग में दीप्ति शर्मा और पूनम यादव है। इन दोनों ने दक्षिण अफ्रीका में जीत में अहम भूमिका निभायी थी।

दूसरी तरफ आस्ट्रेलिया अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगा। कप्तान मेग लैनिंग वनडे अच्छी शुरूआत के बावजूद बड़ा स्कोर नहीं बना पायी थी। उसकी भरपायी वह इस श्रृंखला में करना चाहेगी।

विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली ने तीसरे वनडे में 133 रन की लाजवाब पारी खेली थी। बायें हाथ की स्पिनर जेस जोनासन ने भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया है। उन्होंने वनडे श्रृंखला में आठ विकेट लिये थे। अन्य स्पिनरों अमांडा जेड वेलिंगटन और एशलीग गार्डनर ने भी अच्छा प्रदर्शन किया था और भारतीयों को उनसे सतर्क रहने की जरूरत है।

महिला आईपील के लिए जरूरी है मजबूत घरेलू ढांचा : मिताली राज

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय महिला टीम की कप्तान मिताली राज ने कहा कि बीसीसीआई के पास मजबूत घरेलू ढांचा होने के बाद ही महिलाओं के लिये आईपीएल जैसी प्रतियोगिता का आयोजन समझदारी भरा होगा। मिताली ने कहा, 'खिलाड़ियों का पूल होना जरूरी है जो कि आईपीएल जैसी लीग में खेल सकें। जैसा मैंने कहा कि भारत ए टीम में ही अच्छी खिलाड़ियों की दरकार है। एक बार जब हमारे पास इस तरह की खिलाड़ी हो जाएंगी तब (महिला) आईपीएल का आयोजन बुद्धिमत्तापूर्ण होगा।'

क्रिकेट बोर्ड इंडियन प्रीमियर लीग के 11वें स्थान के दौरान महिलाओं के लिये प्रदर्शनी मैचों का आयोजन कर रहा है। इससे महिला आईपीएल के लिये तैयारियां शुरू की जा सकती हैं। मिताली ने कहा, 'आप किसी भी घरेलू खिलाड़ी को ले सकते हैं लेकिन फिर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और घरेलू खिलाड़ी में बड़ा अंतर होगा। यह महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के खिलाफ जा सकता है।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए मेरी निजी राय है जब आपके पास मजबूत घरेलू ढांचा हो और बेहतर खिलाड़ी हों तभी उन्हें आईपीएल में मौके देने का मतलब बनता है।' अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने भी अपनी टेस्ट कप्तान की राय पर सहमति जतायी। झूलन ने कहा, 'यह बिल्कुल सही है।

घरेलू ढांचे को थोड़ा और मजबूत बनाये जाने की जरूरत है।' इस बीच भारत को आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला में हिस्सा लेना है और मिताली ने कहा कि विश्व टी20 से पहले टीम को सही संयोजन की जरूरत है। मिताली ने कहा, 'टीम अब विश्व कप टी20 की तैयारी कर रही है और यह जरूरी है कि विश्व कप से पहले हम अपना संयोजन सही कर लें। इसके लिये हमें टीम में कुछ बदलाव करने होंगे चाहे परिणाम हमारे अनुकूल रहें या नहीं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारा ध्यान विश्वकप की तैयारियों पर है।'

धोनी यूनिवर्सिटी के हैं टॉपर जबकि मैं पढ़ रहा हूं: कार्तिक

चेन्नई (एजेंसी)।

दिनेश कार्तिक भले ही बांग्लादेश के खिलाफ त्रिकोणीय टी20 फाइनल में आठ गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाकर देश भर में चर्चा का विषय बने हुए हैं लेकिन इस विकेटकीपर बल्लेबाज का कहना है कि जब 'सर्वश्रेष्ठ फिनिशर' की बात आती है तो वह अभी खुद को 'विश्वविद्यालय का विद्यार्थी' मानते हैं जबकि महेंद्र सिंह धोनी 'टॉपर' हैं। कार्तिक ने संवाददाताओं से कहा, 'जब धोनी की बात आती है तो मैं अभी विश्वविद्यालय में पढ़ रहा हूं जबकि वह टॉपर है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसका मैं हमेशा अनुसरण करता हूं। उनके साथ तुलना अनुचित होगी।'

दिलचस्प बात यह है कि कार्तिक ने सितंबर 2004 में इंग्लैंड में चैंपियन्स ट्राफी के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था जबकि धोनी ने इसके तीन महीने बाद दिसंबर में बांग्लादेश के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। अगले 14 वर्षों में धोनी भारत के सबसे सफल कप्तान और सीमित ओवरों के सफल क्रिकेटर बने गये जबकि कार्तिक जूझते रहे और मौके का इंतजार करते रहे। कार्तिक ने कहा कि, 'उनका (धोनी) करियर पूरी तरह से अलग था और मेरा करियर पूरी तरह से अलग है। वह बेहतरीन खिलाड़ी है। वह काफी शर्मीला था। आज वह ऐसा व्यक्ति है जो युवाओं की मदद के लिये खुलकर बोलता है। मेरा मानना है कि इस तरह की तुलना पूरी तरह से अनुचित है। जैसे मैंने कहा कि वह संभवतः विश्वविद्यालय का टॉपर है जबकि मैं अभी पढ़ रहा हूं। मैं जिस स्थिति में हूं उससे खुश हूं।'

पिछले डेढ़ दशक से खेल रहे कार्तिक को आखिर में वह चर्चा मिली जिसके वह वास्तव में हकदार थे। इसे वह अपने अच्छे कर्म और ईश्वर की कृपा मानते हैं। कार्तिक ने कहा कि, 'सभी मेरे बारे में बात कर रहे हैं और इससे अच्छा लग रहा है। मैंने वर्षों में जो अच्छे काम किये उससे मुझे वह छक्का जड़ने में मदद मिली। वह शाट छक्के के लिये चला गया। संभवतः दो मिमी अतिरिक्त से वह छक्का बन गया।' उन्होंने कहा कि, 'मेरे लिये उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। मैं यह खेल खेलकर खुश हूं। जब आप घरेलू क्रिकेट खेलते हो तो यह कठिन दौर होता है। अचानक इस तरह से चर्चा में आने से अच्छा लग रहा है लेकिन आप यह भी जानते हो कि आप चाहते हो कि कुछ विशेष की शुरूआत हो।' कार्तिक ने इसके साथ ही कहा कि मुंबई के क्रिकेटर अभिषेक नायर के साथ समय बिताने से उन्हें इस खेल के मानसिक पहलू में मजबूती हासिल करने में मदद मिली।

उन्होंने कहा कि, 'वह (अभिषेक नायर) मेरे करियर के पिछले ढाई साल में बेहद महत्वपूर्ण कारक रहा। उसने मुझे मैचों के लिये तैयार होने में मदद की। उसने मुझे रणनीति के अनुसार तैयारी करने में मदद की। वह यह भी जानता है कि कड़ी मेहनत करने का सही तरीका क्या है।

चोटिल बिष्ट की जगह राजेश्वरी गायकवाड़ भारतीय टीम में

मुंबई। राजेश्वरी गायकवाड़ को गुरुवार से शुरू होने वाली महिला त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला के लिये चोटिल स्पिनर एकता बिष्ट की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, 'बिष्ट वड़ोदरा में आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान चोटिल हो गयी थी और उन्हें दस दिन के विश्राम की सलाह दी गयी है।' भारत त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच में गुरुवार को आस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

भारतीय महिला टी20 टीमः हरमनप्रीत कौर(कप्तान), स्मृति मंधाना(उप- कप्तान), मिताली राज, वेदा कृष्णमूर्ति, जेमिमा रोड्रिग्स, अनुजा पाटिल, दीप्ति शर्मा, तानिया भाटिया(विकेटकीपर), पूनम यादव, झूलन गोस्वामी, शिखा पांडे, पूजा वस्त्राकर, रुमेली धर, मोना मेशराम और राजेश्वरी गायकवाड़।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के इस बल्लेबाज ने की वापसी

आकलैंड। न्यूजीलैंड के सीनियर बल्लेबाज रॉस टेलर को इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से आकलैंड ईडन पार्क में शुरू होने वाले पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के लिए आज फिट घोषित कर दिया गया है। टेलर ग्रोइन की चोट और पेट में संक्रमण से जूझ रहे थे लेकिन न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि उन्होंने बिना किसी परेशानी के पूर्ण अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। विलियमसन ने कहा कि वह फिट है और यह हमारे लिये बहुत अच्छी खबर है। रोसो (टेलर) जब भी क्रीज पर उतरता है तो शानदार प्रदर्शन करता है। उसके रहने से क्रीज पर धैर्य और आत्मविश्वास बना रहता है। मिशेल सैंटनर की जगह टाड एस्टल स्पिनर के रूप में टीम में जगह बनाएंगे जबकि बीजे वाटलिंग की विकेटकीपर के रूप में वापसी हुई है। वाटलिंग कूल्हे की चोट के कारण दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाये थे। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच यह दिन रात्रि टेस्ट मैच होगा। न्यूजीलैंड ने इससे पहले 2015 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूधिया रोशनी में टेस्ट मैच खेला था जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड दो बार गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच खेल चुका है। उसने अगस्त में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर जीत दर्ज की थी लेकिन दिसंबर में वह एडिलेड ओवल में आस्ट्रेलिया से हार गया था।

कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहती है सीमा पूनिया

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

सीमा पूनिया भले ही पूर्व में डोपिंग के कारण चर्चा में रही हो लेकिन अगले महीने होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में वह भारतीय एथलीटों में पदक की सर्वश्रेष्ठ दावेदार हैं और चक्का फेंक की यह खिलाड़ी भी इन खेलों के अपने अभियान का शानदार अंत करने के लिये प्रतिबद्ध हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में सीमा भारत की सबसे सफल एथलीट रही हैं। उन्होंने जब भी इन खेलों में हिस्सा लिया तब पदक जरूर जीता।

सीमा ने सबसे पहले मेलबर्न 2006 में भाग लिया था जहां उन्होंने रजत पदक जीता। इसके बाद वह 2010 और 2014 में भी पोडियम तक पहुंची। अब वह 34 साल की हैं लेकिन गोल्ड कोस्ट में होने वाले खेलों में पदक की प्रबल दावेदार हैं। अपने दो साल के करियर में सीमा ने तीन ओलंपिक (2004, 2012 और 2016), एक एशियाई खेल (2014) और तीन राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लिया है। गोल्ड कोस्ट में वह आखिरी बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेगी। उनकी निगाह 2020 ओलंपिक खेलों पर भी टिकी है।

अभी अमेरिका में अभ्यास कर रही सीमा ने कहा कि, 'यह मेरे चौथे राष्ट्रमंडल खेल होंगे और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं गोल्ड कोस्ट में पदक जीत सकती हूं। मैं हालांकि यह नहीं कह सकती कि पदक का रंग क्या होगा।' उन्होंने कहा कि, 'यह यात्रा लंबी रही है। मैं नहीं जानती कि मैं 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों तक खुद को फिट रख पाती हूं या नहीं लेकिन मैं 2020 ओलंपिक खेलों तक बने रहना चाहती हूं। मैं अभी फिनिश नहीं हुई हूं।'

हरियाणा के सोनीपत जिले के खेवड़ा गांव में जन्मीं सीमा ने 11 साल की उम्र से एथलेटिक्स में प्रवेश कर लिया था। उन्होंने 17 साल की उम्र में विश्व जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में चक्का फेंक में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन डोपिंग का दोषी पाये जाने के कारण उनका पदक छीन लिया गया था। सीमा ने स्यूडोफेडरिन ली थी जिसे जुकाम के उपचार के लिये लिया जाता है। तब आईएएएफ के नियमों के अनुसार केवल चेतावनी देकर छोड़ दिया गया था। इसके बाद उनका करियर उतार चढ़ाव वाला रहा। ओलंपिक 2012 और 2016 में वह क्वालीफिकेशन दौर में ही बाहर हो गयी जिसका उन्हें अब भी खेद है।

उन्होंने कहा कि, 'मुझे अपने करियर को लेकर कोई विशेष खेद नहीं है लेकिन ओलंपिक में नाकामी मुझे अब भी कचोटती है। इसलिए मैं 2020 ओलंपिक में भाग लेकर वहां अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूं।' सीमा ने कहा कि, 'इसके अलावा मैंने

काफी कुछ हासिल किया। मैं सरकार से कुछ उम्मीद नहीं कर रही हूं। मैं टॉप कार्यक्रम में नहीं हूं और मुझे पुरस्कार से वंचित किया गया।'

वडोदरा में वकीलों पर हमला प्रकरण और बैठक व्यस्था को लेकर शहर के वकीलों की हडताल

सूरत। वडोदरा के कोर्ट संकुल में वकीलों पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग कर दमन किया गया था। जिसे लेकर वकीलों में भारी आक्रोष देखने को मिला था। वडोदरा में वकीलों पर हुये दमन के विरोध में और सूरत में वकीलों को योग्य बैठक व्यवस्था न दिये जाने से सूरत के वकील भी आक्रोषित हुये थे। जिसके मद्देनजर शहर के वकीलों ने आज हडताल रखी और तमाम काम-काज से दूर रहे।

घटना के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार वडोदरा में गत 19 मार्च 2018 को कोर्ट संकुल में अपर्याप्त व्यवस्था को लेकर शिकायत करने गये वकीलों पर दमन किया गया और पुलिस द्वारा वकीलों पर बल प्रयोग कराया गया। जिससे वकील बेहद दु:खी और आक्रोषित हुये। इस समग्र घटना को लेकर सूरत के वकीलों ने अन्याय नहीं सहन किये जाने का निर्णय लिया और वडोदरा में हुये वकीलों पर अत्याचार व सूरत में वकीलों को योग्य बैठक व्यवस्था नहीं दिये जाने से वकीलों ने आज सूरत में हडताल रखी थी। आज तमाम वकील कोर्ट के काम-काज से अलग रहे। वकीलों का कहना है कि इसके पूर्व सूरत के वकीलों को पुरानी कोर्ट बिल्डिंग से स्थानांतरित कर पार्किंग में बैठने की व्यव-स्था की गई थी। जिसके बाद डिस्ट्रीक्ट जज ने उन्हें नोटिश दी थी कि यह जजीस पार्किंग है। जिसके बाद वकीलों को टेबल रखने के लिए कोर्ट बिल्डिंग के दसवें मंजिले, आठवें और चौथे मंजिले पर जगह आवंटित की गई थी। हलांकि वहां पर्याप्त व्यवस्था न होने से वकील आक्रोषित हुये थे। लेकिन उनकी मांग को ध्यान में नहीं लिये जाने पर आज वकीलों ने उस मुद्दे को साथ लेकर हडताल की। इसके अलावा सूरत वकील एसोसियेशन के प्रमुख ने कहा कि यदि वडोदरा की तरह सूरत के वकीलों पर भी दमन किया गया तो सूरत के वकीलों ने अपने अधिकार के लिए लड लेने का निर्णय किया है।

घर-घर पहुंचे निरंकारी मिशन का संदेश

प्रभु का साक्षात्कार के सभी अधिकारी: निरंकारी संत

सूरत। संत निरंकारी मिशन ब्रह्मज्ञान द्वारा प्रेम, शांति,सदभाव ओर एकत्व का संदेश दे रहा है आज इस सोच कि सब को जरूरत है उक्त उदगार नवसारी से आये जीतूभाई खारवा ने आज नवापुरा गोलवाड स्थित नई सडक पर आयोजित सत्संग में व्यक्त किये उन्होंने कहाकि एक ओर जहा भय, आंतक ओर हिंसा के भाव पनप रहे है वही सामाजिक, मानसिक, पारावारीक ओर आर्थिक समस्या में इन्सान घिरा हुआ है ऐसे में इन्सान को अध्यात्म ही राहत दे सकता है। निरंकारी मिशन सारभूमिक सत्य संदेश हर मानव तक पहुंचा रहा है, निरंकारी मिशन का सत्य संदेश घर-घर में पहुंचाना चाहिये। उन्होंने कहाकि मानव जीवन का उद्देश्य प्रभु प्राप्ति है, संसार के हर प्राणी को अपने मूल को जानने की जिज्ञासा होनी चाहिये, चाहे कोई किसी भी जाति धर्म का किसी भी बोली भाषा का हो, हर इन्सान को परमात्मा के साक्षात्कार का अधिकार हैं वर्तमान समय में निरंकारी सद्गुरु माता सविन्दर हरदेव जी महाराज हर इन्सान को परमात्मा का साक्षात्कार करा रहे हैं। इस अवसर विभिन्न वक्ताओं ने गीत,भजन ओर विचारों के माध्यम से मानव जीवन का महत्व बताया। इस अवसर पर न्यू नेवी चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख श्री रमेशभाई माजीवाला ने निरंकारी संतो-भक्तों का स्थानीय निवास की ओर से स्वागत करने के उपरांत कहाकि इन्सान का सच्चा मार्गदर्शन सद्गुरु होता है सद्गुरु से ही मानव का कल्याण संभव है।

गोल्डन टेम्पल ट्रेन को पलटाने के शडयंत्र में जुबेर और सलमान शेख गिरफ्तार

सूरत। गत शनिवार देर रात सूरत उधना के बीच से पसार होनेवाली गोल्डन टेम्पल सुपर फास्ट ट्रेन को पलटाने का प्रयास करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को रेलवे जीआरपी पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

रेलवे पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत शनिवार देर रात 1 बजे गोल्डन टे पल ट्रेन सूरत स्टेशन पर ठहरने के बाद मुंबई की ओर जा रही थी। इस दौरान सूरत-उधना के बीच से पसार हुई। उस समय सिग्नल प्वाइन्ट के पास अज्ञात लोगों ने लोहे की स्लीपर ट्रेक पर रख दिया था। जिसके कारण यह लोहे की स्लीपर इंजन के साथ टकरा कर गुड्स वेगन तक अर्थात 40 से 50 फुट तक घिसड गया। इस घटना के चलते रेलवे के उच्च अधिकारी हरकत में आ गये थे। उधना स्टेशन के अधिकारियों ने ट्रेक मैन और मेडिकल विभाग के कर्मचारियों को साथ रख लोहे के स्लीपर को बाहर निकाला और इस घटना से गोल्डन टे पल ट्रेन करीब 40 मिनट विलंबित हुई थी। जिसके पिछे जाने वाली सौराष्ट्र एक्सप्रेस 33 मिनट और लोकशक्ति ट्रेन 15 मिनट विलंबित हुई। रेलवे पुलिस को जानकारी दिये जाने पर जीआरपी और आरपीएफ के उच्च अधिकारियों में दौडधाम मच गई। रेलवे की जीआरपी पुलिस ने अपराध दर्ज कर ऐसे असामाजिक तत्वों को खोजने की कवायद शुरु की थी।

इस मामले में पश्चिम रेलवे के जीआरपी पुलिस के एस.पी. शरद सिंघल ने कहा कि ट्रेन पलटाने के षडयंत्र में जुबेर उर्फ घाउटी जलालुद्दीन शेख और सलमान हबीब शेख को गिर तार कर लिया गया है। यह दोनों आरोपी फटका गिरोह के सदस्य है। फटका गिरोह रेलवे के यात्रियों के हाथ पैर लकडी से वार कर मोबाइल गिराकर लूटने में कु यात है। जिन्होंने कबूल किया किया उन्होंने शराब के नशे में ट्रेक पर पाट रखकर ट्रेन को पलटाने का शडयंत्र किया था। सौभाग्य से कोई बडी दुर्घटना नहीं हुई। पुलिस दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड प्राप्त करने की कवायद कर रही है।

जीएसटी को लागू होने के बाद से छोटे व्यापारी परेशान

कपड़ा बाजार में मार्च एंडिंग का कामकाज जोरों पर

सूरत। आजादी के बाद देश का सबसे अहम कर सुधार माना जाने वाला जीएसटी कई वषी की कवायद और उठा -पटक के बाद अमल में आया। कायाकल्प करने वाला सुधार माना जा रहा था। इस क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही का सूत्रपात करने वाला माना गया। लिहाजा ,देश का कपड़ा उधोग जिस संकट और मंदी की मार झेल रहा है ,उसका अनुमान सरकार को शायद नहीं होगा। देश की मैनुफेक्चरिंग में सूरत का नाम सबसे आगे है। सूरत कपड़ा उधोग जीएसटी लागु होने के बाद मंदी में पसार हो रहा है। कपड़ा बाजार में मार्च एंडिंग का कामकाज चल रहा है ,जबकि इस समय ग्राहकी अच्छी रहती है , रिटेल माकेट में शादी -विवाह के लिए लोग ख़रीदी के लिए आ रहे है ,लेकिन थोक कपड़ा बाजार में व्यापारियों के प्रतिष्ठान में किसी भी प्रकार की चहल -पहल नहीं है। दरअसल , सरकार की नीतियों का खामियाजा छोटे व्यापारी को उठाना पड़ रहा है। व्यापारियों ने अनेक बार सरकार को आवेदन किया। फिर भी सरकार ने व्यापारियों को विश्वास दिलाने के बाद सुधारवादी प्रणाली अमल में नहीं आ सकी ,लेकिन अंत में सुनवाई नहीं की। सूरत लाखो -करोड़ो मीटर प्रतिदिन का उत्पादन करता था ,लेकिन आज का आलम यह है कि उनके प्रतिष्ठान में कोई भी व्यापारी दाम पूछने भी नहीं जाता है। जीएसटी विध्वंसकारी साबित हुआ है। ई -बिल की बात करने वाली सरकारी मशीनरी को मालूम होना चाहिए की छोटे व्यापारी के पास कंप्यूटर की व्यवस्था नहीं है और मुनीम को सालाना दो लाख का वेतन देने की सुविधा नहीं है ,उनके लिए क्या विकल्प है ?बड़े व्यापारी को फायदा देने की नीति से सरकार ने छोटे व्यापारी का व्यवसाय बंद करने के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। नतीजतन ,कर प्रणाली लागु करने के बाद शटिंग -शूटिंग में 45 फीसदी ग्राहकी कम हो गई है। वो ही छोटे और मझले व्यापारी के आमदनी का जरिया था। जीएसटी के बाद दुकाने बंद की जा रही है। इस दौरान कपड़ा मार्केट में एक भी दुकान नहीं खुली है। व्यापारी दुकानों में खाली बैठे हुए मिलेंगे। सरकार की दोहरी कर प्रणाली से व्यापारी आहत है ,लेकिन जीएसटी का अमल एक जगह किया जाए और पांच की जगह १२ फीसदी बढ़ाया जाए तो व्यापारी को कोई एतराज नहीं है ,लेकिन सुधारवादी अभिगम के सभी पक्षधर है। कपड़ा व्यापारी के पास पहले से ग्राहकी नहीं है। व्यापारी खरीदी के लिए आ भी जाता है ,तो उनके पास जीएसटी नंबर उपलब्ध नहीं होता है ,तब व्यापारी माल किस शर्त पर देगा। साड़िया -ड्रेसमेट्रियल या शर्टिंग -शूटिंग खरीद भी लेता है तो पांच फीसदी जीएसटी देने के लिए तैयार नहीं होता है। जीएसटी के बिना माल नहीं भेजा जा सकता। अगर माल भेज भी दिया जाता है ,तो व्यापारी के लिए जवाबदारी बढ़ जाएगी। देश सहित सूरत का कपड़ा उधोग अंतिम स्टेज पर है। राधे माकेट के प्रदीप टेक्सटाइल के मालिक प्रदीप भाई ने संवाददाता को बताया कि सरकार की नीति उधार लेकर घी पीने की है। राधे माकेट रिंगरोड की 451 माकेट के बाद सबसे बड़ी माकेट है। इस माकेट में राजस्थान से भीलवाड़ा,मालेगांव ,इचलकरंजी ,भिवंडी से शर्टिंग-शूटिंग आता है। हमारे माकेट में सैकड़ो दुकाने है ,लेकिन किसी भी व्यापारी के पास कोई ग्राहकी नहीं है। सब व्यापारी बैठे हुए है। सरकार बारबार व्यापारियों को उलझन में डाल रही है। सरकार जहा तक कर प्रणाली में सुधार नहीं करती, वहा तक कपड़ा उधोग गति नहीं पकड़ सकता है। मुकेश ने बताया की शर्टिंग -शूटिंग का स्टॉक मेन्टन कैसे किया जाता है ,ताका नापने के लिए हमारे दुकान में आदमी को रखना पड़ता है।

इन्होने कहा -सूरत में प्रतिदिन कपड़ा उत्पादन चार करोड़ मीटर का होता था .जीएसटी लगने के बाद ढाई करोड़ मीटर ही उत्पादन हो रहा है। इचलकरंजी ,भिवंडी ,मालेगांव और भीलवाड़ा से आने वाला शूटिंग-शर्टिंग 70 लाख मीटर की जगह जीएसटी के प्रभाव से ४० लाख मीटर ही आ रहा है। छोटे और मझले व्यापारी के लिए रोजी रोटी का संकट है। **चम्पालाल बोथरा, सेक्रेटरी फोस्टा**

इनका कहना है-माकेट में थोड़ी बहुत ग्राहकी निकली है। इस माह ग्राहकी चलने की उम्मीद है ,लेकिन अगले माह तक कुछ कहा नहीं जा सकता है। **मनोज अग्रवाल, अध्यक्ष फोस्टा**

श्री गुह्यराज निषाद जंयती महोत्सव आज

सूरत। राष्ट्रीय निषाद एकता परिषद की ओर से 22 मार्च को दोपहर दो बजे से शाम 7 बजे तक श्रीगुह्यराज निषाद जयंती मनाई जाएगी। दुर्गामाता मंदिर, 63-ए स्वास्तिक नगर, सांई कृपा के बगल के बगल बमरोली में किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्व हिन्दू परिषद महामंत्री जोगेन्द्र साहनी, कांग्रेस समिति महामंत्री भागवत निषाद, पार्षद श्यामसुंदर निषाद, विशेष अतिथि संजय बिंद सहित काफी तादाद में लोग मौजूद रहेंगे।

तापी शुद्धिकरण महाअभियान की शुरूआत होगी 25 मार्च से

फोस्टा तापी शुद्धिकरण के लिए हुआ कटिबद्ध

Federation of Surat Textile Traders Association

सूरत। फेडरेशन ऑफ सूरत टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोशियेशन के तत्वावधान में सूरत की आत्मा मां तापी नदी के शुद्धिकरण का महाअभियान आगामी 25 मार्च से आरम्भ होकर 5 अप्रैल 2018 तक चलेगा। एसोशिएशन के महामंत्री चंपालाल बोथरा ने बताया कि शुद्धिकरण के कार्यक्रम में तमाम व्यापारी मंडल के सदस्य बढ़चढ़कर हिस्सा लेंगे।

सूरत शहर के लोगों के लिए वरदान स्वरूप तापी नदी प्रदूषण से भर गई साथ ही इसमें पानी कम होने के कारण शहरवासियों को आगामी समय में पीने के लिए पानी की भी किल्लत होने की आशंका है। एक तरफ पानी की कमी और दूसरी तरफ जलकुंभी का साम्राज्य एक विकट समस्या सी बन गई है। तापी सफाई अभिभयान में जलकुंभ्झी का निकालना, किनारे पडे अन्य अनावश्यक वस्तुओं और कचरों को उठवा कर ले जाना ही प्राथमिकता है। इस प्रकार अगर अन्य संगठन भ्झी तापी सफाई के विषय में चेत लें तो तापी को प्रदूषण मुक्त किया जा सकता है।

करदाताओं के लिए ओपन हाउस 23 को

सूरत। वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान ओपन हाउस बैठक के द्वारा करदाताओं के प्रति सेवाओं की दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार लाने के आयकर विभाग सूरत के प्रयासों का सूरत के करदाताओं ने जमकर लाभ उठाया। अब तकआयोजित ओपन हाउस के दौरान करदाताओ की ओर से बहुत सारी शिकायतें प्राप्त हुई। जिनका आयकर विभाग द्वारा प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया गया। परिणामस्वरूप मुख्य आयुक्त आयकर सूरत प्रभार ने ई-निवारण पर शिकायतों को फाइल करने तथा लिखित शिकायत देने में उल्लेखनीय कटौती की। इससे सीपीजीआरएएम में लंबित शिकायतों की संख्या लगभग नहीं के बराबर हो गई। प्राप्त सुझाव पर उचित ध्यान दिया जा रहा है। विभाग को और अनुकूल बनाने और करदाताओं, उनके प्रतिनिधियों और सूरत के नागरिकों के लाभ के लिए 23 मार्च 2018 को सुबह से 12 बजे तक ओपन हाउस का आयोजन मजूरागेट स्थित आयकर विभाग में किया गया है। शुक्रवार को आयोजित ओपन हाउस के दौरान कोई भी अपनी किसी समस्या के समाधान और सुझाव के लिए मुख्य आयकर आयुक्त अजयदास मेहरोत्रा से उनके कक्ष में मिल सकता है।

मनपा द्वारा विश्व जल दिवस पर सेमिनार आज

सूरत। गुरूवार को विश्व जल दिवस बनाया जाएगा। इस मौके पर मनपा द्वारा सिटी लाइट इलाके में स्थित सायंस सेंटर में नेचर फॉर वॉटर विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया है। इस सेमिनार में भाग लेने के लिए शहर की महिलाओं को आमंत्रित किया गया है। उकाई डेम की भराई इस बार नहीं हो पाने के चलते शहर में पानी की किल्लत हो रही है। मनपा द्वारा लोगों को जलापूर्ति में करीब 100 एलएलडी पानी बचत करने का संदेश देने और लोगों को पानी संचय के लिए जागरूक करने के लिए नेचर फॉर वॉटर विषय पर सेमिनार आयोजित किया है।

पांडेसरा में युवक ने लागाई फांसी

सूरत। पांडेसरा के कृष्णा नगर में रहने वाले युवक ने किसी अज्ञात कारणों से अपने घर में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार पांडेसरा के कृष्णानगर 206 में रहने वाले रोहित अर्कित प्रधान ने गत रोज अपने घर में किसी कारणों से फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

शिक्षण समिति के आचार्यों को अब मिलेगा जीओ का सीमकार्ड!

सूरत। नगर प्राथमिक शिक्षण समिति द्वारा आगामी शैक्षणिक सत्र को ध्यान में रख 300 से अधिक शालाओं में कार्यरत आचार्यों को जीओ का सीमकार्ड वितरण शुरु किया गया है। फिलहाल शाला में बीएसएनएल का लेन्ड लाईन फोन अस्तित्व में होने से उसके टेलीफोन बिल की बचत के आशय के साथ यह नया अभिगम अपनाया गया है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर प्राथमिक शिक्षण सिमित हस्तक की 300 से अधिक शाला में वहीवटी काम-काज के लिए वर्षो से बीएसएनएल लेन्डलाइन फोन रखा गया है। इस टेलीफोन के बिल की रकम प्रतिवर्ष हजारों रुपये को पार कर जाती है। जिसके परिणाम स्वरुप अब स्कूल बोर्ड द्वारा शाला के आचार्यो को जीओ का सीम कार्ड दिया जायेगा। यह सीमकार्ड वितरण करने के बाद टेलीफोन लाइन के बिल की बचत होगी ऐसा माना जा रहा है।

कंपनी में काम करते समय चोट लगने से कारीगर की मौत

सूरत। सचिन के होजीवाला इंडस्ट्री खोडियार कंपनी में काम करते समय गर्म प्लास्टिक गिरने के कारण गंभीर चोट लगने से कारीगर की मौत हो गई। घटना के संदर्भ में सचिन पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिन के होजीवाला इंडस्ट्रीज जय खोडियार कंपनी में कपिल कबीरभाई पाठवी (35 वर्ष) कंपनी में ही रहकर काम करते थे। गत 11 मार्च को कपिलभाई कंपनी में काम कर रहे थे। उसी दौरान गर्म प्लास्टिक उछल गया। जिससे कपिलभाई के चेहरे और शरीर में गंभीर चोट आई थी। उनको इलाज के लिए पुनित अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां पर मंगलवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस आकस्मिक मौत का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

कुरियर से 42 लाख के हीरे मंगाकर डकार गया व्यापारी

सूरत। महिधरपुरा के शांति आपार्टमेंट में स्थित हीरा की ऑफिस में कुरियर के माध्यम से 42 लाख रुपए का हीरा मंगाने के बाद पार्टी ने हीरों की कीमत देने से हाथ उंचा कर लिया। जिससे हीरा व्यापारी ने ठग पार्टी के खिलाफ महिधरपुरा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के ईच्छानाथ पिपलोद नेहरुनगर के पास सीमधर अपार्टमेंट फ्लैट नं. 1002 बी में रहने वाले रितीश महेशभाई शाह महिधरपुरा की जदाखाड़ी शांति अपार्टमेंट की आफिस नं. 104 में हीरा का धंधा करते हैं। रितीश ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि आरोपी निमिष जगदीशभाई गांधी और प्रशांत जगदीशभाई गांधी तथा प्रशांत गांधी ने योजनाबद्ध तरीके से शुरू में तो जो हीरे लिए उसका समय पर पैसा देकर विश्वास कायम कर लिए। इसके बाद आरोपियों ने रिशीत से कहा कि हम जयपुर के व्यापारी के पास आपका हीरा अच्छे भाव में बेचवा दूंगा और आपको काफी लाभ होगा। इस तरह का विश्वास देकर जय मतादी एयर सर्विस कुरियर के माध्यम से रिशीतभाई की लैब से ग्रोन हीरा वजन 400 कैरेट (कीमत-42 लाख रुपए) मंगाने के बाद आरोपियों ने जय मातादी सर्विस कुरियर से हीरा छोड़ाने के बाद उसे बेच दिया और अब कह रहे हैं कि हमने तो माल कुरियर से छोड़ाया ही नहीं। आरोपियों ने हीरा मंगाकर उसकी हेरा-फेरी करके ठगी तथा विश्वासघात किया। जिससे रिशीतभाई ने महिधरपुरा पुलिस में तीनों ठग व्यापारियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस मामले को दर्ज करके जांच कर रही है।

वराछा स्थित लकड़ी के गोदाम में लगी आग

सूरत। वराछा में स्थित लकड़ी के एक गोदाम में रात के दौरान अचानक आग लगने से आसपास के लोगों में भगदड़ मच गई। घटना की जानकारी होने पर फायर के जवान स्थल पर पहुंच गए और आग को काबू में कर लिया।

फायर विभाग सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वराछा के सावलिया सर्कल के पास स्थित एक लकड़ी के गोदाम में गत रात्रि अचानक आग लग गई थी। लकड़ी अधिक होने के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। जिससे आस पास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल हो गया था। घटना की जानकारी होने पर फायर विभाग के चार फाइटर स्थल पर पहुंच गए और आग पर पानी का फौव्वारा मारकर आग पर काबू पा लिया। हालांकि आग की इस घटना में किसी तरह की जानहानि नहीं होने की जानकारी मिली है।

तापी में लगाई छलांग, फायर विभाग ने बचाई जान

सूरत। कापोद्रा में स्थित ब्रिज पर से एक युवक ने छलांग लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया । जबकि नदी में जलकुंभी होने से उसमे फंस गया। उसके बाद फायर विभाग ने कड़ी मसक्कत के बाद उसे बचाया।

अमरोली क्षेत्र के दीपक राजू ओड(22 वर्ष) अपने परिवार के साथ रहता है। बुधवार को दीपक किसी अज्ञात कारणों से कापोद्रा में स्थित ब्रिज पर पहुंचा तथा वहां से नदी में छलांग लगा दिया। तापी नदी में जलकुंभी होने से उसमें फंस गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com